

4836

484



03AA 388800

30
114



Handwritten notes and calculations:

4510.00
45.00
8.00
0.90
4558.44

11/10

ARRA 4510.00
All. Repodan 11/10/05
Agri-farm
पुस्तक का फल
नया

विशेष नाम :- श्री मंगलेश शं पिता स्व. महानंद शं,
स्व. तथा हमारा पिता अभिराम शं सरकारी अफिस
अधिकाता पुत्रांगण 11 सुप्री. रॉली कल्याण 121
सुप्री. रोड विठ्ठल 11 सुप्री. विठ्ठल पुत्रांगण है
पिता श्री मंगलेश शं शं जति ब्राह्मण स्वयंसेवक
नरियल। श्रीविठ्ठल वर्तमान निवासी स्थान-
श्रीमती देविदा आभिराम शं विठ्ठल कल्याण जिला
एराय विठ्ठल शं शं श्री. विठ्ठल. कावेरी, सोलासा
बम्बोयूर, स्थानी निवासी स्थान गुड + पी. -
कोली, या शं कल्याण, जिला साहयसा, विठ्ठल राज्य
भारतीय नगरिक --- पुत्रांगण 11।

19/5/05
31 03 2005



-3-
नाप भूमि

उत्तर की ओर अक्षांश भूमिपट्ट- 99 फीट 01 इंच
दक्षिण की ओर पुरब से भूमिपट्ट- 99 फीट 01 इंच
पुरब की ओर अक्षांश भूमिपट्ट- 222 फीट
पश्चिम की ओर उत्तर से दक्षिण- 222 फीट

बिहीत भूमि संलग्न मानचित्र में लाल रंग से रंगकर दर्शाया गया है,
जो सब प्लॉट नं-714, 715 एवं 717/ बी. के सम में आया है।
जिला जिला को रजिस्ट्री को डी० रजिस्ट्रार को सब रजिस्ट्रार
स्थान-रोकी पड़ता है।

विदित हो कि शोब शोर अली को शोब फ़ारुख़ पिता शोब
रमजान अली ने उक्त खाता, प्लॉट की भूमि को एक विद्वान-यश रजिस्ट्री
के द्वारा दिनांक 02-02-1951 ई० को दिलाया जाता- खाते
पट्टों के खाते कर हासिल किये हैं और वे अपने जीवन पर्वतक तक
उक्त भूमि पर कौत-कौतक आजाद करते रहे। शोब शोर अली वशरह को
खाते में निम्न रजिस्ट्री बुक-1, भूमि नं-16, प्लॉट नं-45 से 49
दिनांक 02-10-1953, वर्ष 1951 ई० में दर्ज है और अली वशरह को रसीद
प्राप्त करते रहे। शोब शोर अली को फ़ारुख़ की मृत्यु के पश्चात् उनके
लड़के उत्तराधिकारी अक्षर अंतारी 22 1/2 मोटार नं-13 1/2 वाँवर
हुसैन लो ने के पिता स्व० शोब शोर अली जाति मुसलमान वैधानिक स्थान
ग्राम पुरान, कान-रोकी जिला-रोकी ने अपने पिता को भूमि को पिता
की खरीदों को एक विद्वान-यश रजिस्ट्री के द्वारा दिनांक 18-12-2000
ई० को मूल्य केर विवेका के पक्ष में दिनांक 24-01-2001 ई० को डिट्टी
कर दिये है जिला नं- 797, तिरीपल नं-273 वर्ष 2001 ई०
बिहीत वाली भूमि कार्यालय रांची के अधीन दिनांक प्राधिकार के पत्रांक 02-82
दिनांक- 23-1-2001 के अनुसार हीय क्षेत्र में पड़ता है।

Handwritten signature: Hanu Kant
Handwritten date: 31.3.05



राजीव निधिपन कार्यालय में दर्ज है रकमा 30 डी0 मध्ये 05 पाय 8 डी0
 खाता नं० 1018 40- 757, दिनांक 23-01-2001 ई0 को तलीम अक्षरी पिता
 पत्रलेखक रकमा 20 डी0 भूमि खरीद किये है जमा रकमा 25 डी0 भूमि देता
 के साथ बिना कर्जा की राजीव निधिपन कार्यालय में दर्ज है और अपना नाम
 दाखिल खारीज करवाकर भूमि पर शांति पूर्वक दखलदार बने जाते है।

स = द भ

विदित हो वि विवेता को अपने घर गृहस्थां वो पारिवारिक
 व्यय और अन्य उचित कार्यो के लिए धन की गिना न्त आवश्यकता है,
 और इस हेतु और अभिमत से ऊपर स्तम्भ-6 में घोषित शराजी को डिडी
 करने की इच्छा व्यक्त हो जिसे खरीदार राशि- 4,51,000/-
 4 चार लाख रकमान हजार - 8 सपये मात्र प्रतिफल के बदले खरीदने
 को तय्यार हुए और उक्त राशि विवेता उचित और पर्याप्त मात्रा में उक्त
 भूमि को तब पुनः दे देना भार और देन के मुक्त डिडी करने को राजी
 हुए।

अतः इस विषय-युक्त परा प्रतिविदित किया जाता है कि :-

1. विवेता अपने तन मन की स्वस्थावस्था में अपने हित और लाभ
 का विचार कर अपने विवेक और सोच्छ से अपना किसी अन्य के
 हर तब, मर्यादा, उद्देश्य, दान या पुस्तक के उक्त शराजी रकमा
 स्तम्भ-6 में घोषित है को उक्त कारणों और उक्त प्रतिफल
 राशि- 4,51,000 /- 4 चार लाख रकमान हजार 8
 सपये के बदले तब पुनः दे देना भार के मुक्त खरीदार के हाथ

N. K. Kant
 21.1.05



-5-

केवा, हस्ता नतीकुरे किया और सोप दिया । उक्तभूमि से
 सर्वोपलभितभी हक, स्वत्व, अधकार, फल लाभ सुविधा रास्ता
 आदि भी खरीददार को अंतरित किया और उन्हे प्राप्त हुआ
 जिसकी प्राप्ति और घसुली इस लेख्य-पत्र द्वारा बिक्रेता कबूल,
 मंजुर और सम्पुष्ट करते है अब और किसी प्रकार का कोई पावना
 और बाकी बकाया शोध नहीं रहा ।

2. यह कि अब से उक्त भूमि पर जो कुछ भी स्वत्व, स्वामित्व,
 अधकार, हित और प्रभुत्व बिक्रेता का था या आने होता सो
 सब स्वत्व, स्वामित्व, अधकार, हित और प्रभुत्व लग उसकी
 कुल प्राप्ति, लाभ, उपज, और कुछ सुविधा सदा के लिए खरीददार
 को प्राप्त हुआ और वैधानुसार प्राप्त होता रहेगा ।
3. और यह कि बिक्रेता भरोसा देते है कि यदि आगे कभी उक्त भूमि
 से संबंधित कोई परीस्परक पत्र अथवा सरकारी या गैर सरकारी
 कार्यालयों में आवश्यकता होगी तो बिक्रेता, खरीददार के खर्च पर
 जैसे कुल काम काज और सहायता करने को उद्यत होगे वो रहेगे
 जो समीचीन और कार्य साध्य होगा ।
4. यह कि बिक्रेता वचन देते है कि यदि बिक्रेता की दुर्भावना, दुराशय
 अथवा गलती के कारण किञ्चित् भूमि या उसके अंश से खरीददार
 को वंचित होना पड़े या हानि उठानी पड़े तो ऐसी दशा में
 बिक्रेता कुल हानि और चष्य देने को बाध्य होने अथवा खरीददार
 उते उनकी अन्य सम्पत्ति से वसूल कर लेने ।

Handwritten signature
 51.3.05



-6-



उक्त सम्पत्ति के पूर्ण स्वामी और दखलदार
 हित और लाभ में जैसा चाहे मकान बनावे, बगान-
 बगीचा लगावे, वृक्ष निर्माण करावे, या बंध, रिक्की, रेहन, दान,
 कर, सब कुछ करने के लिए सक्षम है इसमें उसे और
 हमारे परिवार वालों अथवा अन्य किसी को कोई अनुरोध विशेष
 नहीं होगा।

6. यह कि खरीददार अपने नाम का दायित्व खासकर रात अंचल कार्यालय
 तथा अन्यत्र जहां कहीं आवश्यकता हो करा लेने।

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरणों की जमीन खीतकान के
 अनुसार सरकारी जमीन नहीं है न ही सरकार के द्वारा अधिग्रहण में लक
 या औद्योगिक कार्यों के लिए किया गया है, जमीन भूदान की नहीं है, यह
 वन सीमा से बाहर है तथा की.सी.सी.एल. या ई.सी.एल. की भी जमीन
 नहीं है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त जमीन आदिवासी हितों की
 नहीं है और न ही आदिवासी से संबंधित है, जमीन सिलिंग में हुकत है,
 जमीन मज, पीट, निरजा या मुस्जिद की नहीं है, यह किसी सरकारी
 या अर्द्धसरकारी संस्थान में बंधक नहीं है। यह भूमि घोटाला या पशुपतन
 घोटाला से संबंधित नहीं है।

आपसत्र सं०-

दिनांक -

है।

Handwritten signature and date: Nijam's Court 31.3.05

500Rs.



- 7 -

नोट : मूल दस्तावेज एवं द्वितीय प्रति एक दूसरे का हू-ब-हू संसर्पणी प्रतीतीतीय हे ।

डाफ्टकर्ता- अतिरिक्त विचारी, स्थान रांपी ।

गवाह :- 31-3-05 विक्रेता का हस्ताक्षर
Handwritten signature
31.3.2005

2. प्रो. सुदीप
31/3/05

Handwritten signature
1-25-1-23

टंक- मुसाफिर प्रसाद
Handwritten signature



Handwritten notes in the upper right quadrant, including the word 'Village' and other illegible scribbles.

VILLAGE: BUNDARA
 THANA: ...
 DISTRICT: ...
 AREA: ...
 SUB-DIVISION: ...
 PRESENTED BY: ...
 DATE: ...
 15 KI - 00 CM

ORIGINAL

Circuit to be made through the village to the well

Phase 1 Kant 2009

BY PASS ROAD